अमर उजाला

Date: 20.07.2025

कार्यक्रम के अवसर पर कुलपति प्रो. रामपाल सैनी, नवीन सांगवान व अन्य शोधार्थी। स्रोत : विवि

स्कोपस इंडेक्स में प्रकाशित हुआ नवीन सांगवान का शोध

संवाद न्यूज एजेंसी

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग के शोधार्थी नवीन सांगवान का शोध अंतरराष्ट्रीय स्कोपस इंडेक्स जर्नल में प्रकाशित हुआ है। नवीन सांगवान का शोध का मांसपेशियों की रिकवरी का परिमाण मौजूदा मापन विधियों की एक विस्तृत समीक्षा में सह-लेखक के रूप में योगदान मिलेगा।

स्कोपस इंडेक्स में शामिल पोलिश जर्नल ऑफ स्पोर्ट एंड टूरिज्म में प्रकाशित किया गया है। यह शोध लेख मांसपेशियों की क्षति और व्यायाम के बाद होने वाली पीड़ा (ईआईएमडी और डीओएमएस) के मूल्यांकन के लिए उपयोग किए जाने वाले

पोलिश जर्नल ऑफ स्पोर्ट एंड टूरिज्म में प्रकाशित किया है शोध

विभिन्न जैव-रासायनिक, कार्यात्मक और आत्म-आकलन विधियों की गहराई से समीक्षा करता है।

यह शोध कार्य डॉ. परवीन कुमार (संपर्क लेखक), डॉ. रोहित राठी, डॉ. कुलदीप नारा और डॉ. अवधेश कुमार सिरोतारिया के साथ मिलकर संपन्न किया गया है। नवीन सांगवान की यह उपलब्धि विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग की शोध गुणवत्ता को अंतरराष्ट्रीय मंच पर स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

जागरण

Date: 20.07.2025

अंतरराष्ट्रीय स्कोपस इंडेक्स जर्नल में नवीन का शोध प्रकाशित

जासं ● जींद : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग के शोधार्थी नवीन सांगवान ने एक महत्वपूर्ण शोध लेख ''मांसपेशियों की रिकवरी का परिमाणनः मौजूदा मार्करों और मापन विधियों की एक विस्तृत समीक्षा में सह लेखक के रूप में योगदान दिया है। जिसे स्कोपस इंडेक्स में शामिल पोलिश जर्नल आफ स्पोर्ट एंड टूरिज्म में प्रकाशित किया गया है। यह शोध लेख मांसपेशियों की क्षति और व्यायाम के बाद होने वाली पीड़ा के मूल्यांकन के लिए उपयोग किए जाने वाले विभिन्न जैव रासायनिक, कार्यात्मक और आत्म-आकलन विधियों की गहराई से समीक्षा करता है। इस उपलब्धि पर वीसी प्रोफेसर रामपाल सैनी ने नवीन सांगवान और समस्त शोध टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह शोध न केवल हमारे विश्वविद्यालय की शोध परंपरा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित करता है, बल्कि खेल विज्ञान जैसे व्यावहारिक विषय में नवाचार को भी गति देता है। हमारे शोधार्थी इस स्तर की वैज्ञानिक उपलब्धियां अर्जित कर रहे हैं। यह कार्य आने वाले युवा शोधकर्ताओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा। शारीरिक शिक्षा विभाग के अध्यक्ष प्रो. कुलदीप नारा, सहायक प्रोफेसर डा. प्रवीन कुमार, डा. प्रवीन गहलावत भी उपस्थित रहे।

दैनिक भास्कर
ई-पेपर

Date: 20.07.2025

नवीन का शोध अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हुआ प्रकाशित

जींद. सीआरएसयू के शोद्यार्थी अपना शोध पत्र दिखाते हुए।

जींद | चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग के शोधार्थी नवीन सांगवान का शोध लेख अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रकाशित हुआ है। उन्होंने क्वालीफाइंग म्यूजिकल रिकवरी ए शॉर्पिंग रिव्यू ऑफ एग्जिस्टिंग मार्कस एंड मेजरमेंट एप्रोचस शीर्षक शोध में सह-लेखक के रूप में योगदान दिया है। यह लेख स्कोपस इंडेक्स में शामिल पॉलिस जरनल ऑफ सपोर्ट एंड टूरिजम के वर्ष 2025 के खंड 32, अंक 2 में प्रकाशित हुआ है। शोध में व्यायाम के बाद मांसपेशियों में होने वाली क्षति और पीड़ा (ईआईएमडी और डीओएमएस) के मूल्यांकन के लिए अपनाई जाने वाली जैव-रासायनिक, कार्यात्मक और आत्म-आकलन विधियों की गहराई से समीक्षा की गई है। यह शोध कार्य डॉ. परवीन कुमार, डॉ. रोहित राठी, डॉ. कुलदीप नारा और डॉ. अवधेश कुमार सिरोतारिया के साथ मिलकर किया गया। नवीन सांगवान का यह शोध खेल विज्ञान में नवाचार को बढ़ावा देता है।

INDIA TIMER

Date: 20.07.2025

सीआरएसयू के शोधार्थी नवीन सांगवान का शोध अंतर्राष्ट्रीय स्कोपस इंडेक्स जर्नल में प्रकाशित

जींद, ब्यूरो (इंडिया टाइमर) : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद के शारीरिक शिक्षा विभाग के शोधार्थी नवीन सांगवान ने एक महत्वपूर्ण शोध लेख को प्रकाशित किया। यह शोध लेख मांसपेशियों की क्षति और व्यायाम के बाद होने वाली पीड़ा के मूल्यांकन के लिए उपयोग किए जाने वाले विभिन्न जैव-रासायनिक, कार्यात्मक और आत्म-आकलन विधियों की गहराई से समीक्षा करता है। यह शोध कार्य डॉ. परवीन कुमार, डॉ. रोहित राठी, डॉ. कुलदीप नारा और डॉ. अवधेश कुमार सिरोतारिया के साथ मिलकर संपन्न किया गया। सांगवान की यह उपलब्धि विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग की शोध गुणवत्ता को अंतरराष्ट्रीय मंच पर स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह शोध न केवल खेल विज्ञान के क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देता है, बल्कि प्रशिक्षकों, पुनर्वास विशेषज्ञों एवं खिलाड़ियों के लिए व्यावहारिक दिशानिर्देश भी प्रदान करता है।